स्थानीय समुदाय पर खर्च होगी ईको टूरज़्मि की 90% कमाई

चर्चा में क्यों?

18 मई, 2023 को उत्तराखंड कैबनिट ने ईको टूरज़्मि गतविधियों में रेवेन्यू शेयरगि के प्रस्ताव को मंज़ूरी दी। इसके तहत उत्तराखंड में ईको टूरज़्मि से होने वाली आय का 90 प्रतशित हस्सिा स्थानीय स्तर पर खर्च कयिा जाएगा।

प्रमुख बदि

- कैबनिट द्वारा पारति प्रस्ताव के तहत अब संरक्षति क्षेत्रों से बाहर वन क्षेत्रों में नए ईको टूरज़्मि डेस्टनिशंस में वभिन्नि मदों (प्रवेश शुल्क, साहसकि गतविधियों, पार्कगि, स्थगन सुवधिाओं, कैंपगि) में लयि जाने वाले शुल्क से होने वाली कमाई का पहले साल में 10 प्रतशित और आगामी वर्षों में 20 प्रतशित सरकार के खाते में जमा की जाएगी।
- पर्यटन गतविधियों के संचालन के लयि स्थानीय स्तर पर गठति संस्थाएँ और समतियिाँ इस पैसे का उपयोग पर्यटक स्थलों के रखरखाव व अन्य मदों में खर्च कर सकेंगी।
- यह व्यवस्था पहले वर्ष तक लागू रहेगी, जबकदि्सरे वर्ष से कमाई का 20 प्रतशित हस्सिा सरकार और 80 प्रतशित स्थानीय समुदाय को जाएगा।
- इसके अलावा ऐसे ईको टूरज़्मि डेस्टनिशन, जनिकी आय जब एक समय के बाद पाँच करोड़ रुपए से अधकि हो जाएगी तब अतरिक्ति धनराशरािजकीय कोष में जमा की जाएगी। पहले से संचालति ईको टूरज़्मि डेस्टनिशंस के संबंध में 20 प्रतशित राजकोष में जमा कयिा जाएगा, जबक80ि प्रतशित स्थानीय संस्थाओं के पास उनके रखरखाव आदपिर खर्च के लयि रहेगा।
- ईको-टूरज़्मि डेस्टनिशंस को वकिसति कयि जाने पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले ज़लिों को तीन पुरस्कार भी दयि जाएंगे। प्रथम पुरस्कार के रूप में एक करोड़ रुपए, द्वतिीय में 75 लाख रुपए और तृतीय पुरस्कार के रूप में 50 लाख रुपए दयि जाएंगे।
- ज़लि इस पुरस्कार राशकिा इस्तेमाल ईको-टूरज़्मि की अन्य गतविधियों को आगे बढ़ाने में करेंगे। प्रथम स्थान पर आने वाले ज़लि पर अगले तीन वर्षों तक इस पुरस्कार के लयि वचािर नहीं कयिा जाएगा।
- गौरतलब है कप्रिदेश में उत्तराखंड ईको टूरज़्मि डेवलपमेंट कारपोरेशन की स्थापना कंपनी अधनियिम 2013 के तहत वर्ष 2016 में की गई थी। इसके तहत अब रेवेन्यू शेयरगि का प्रस्ताव पारति कयिा गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/90-of-eco-tourism-earnings-will-be-spent-on-the-local-community